क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

E-mail: krantisamay@gmail.com
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 191, शनिवार, 04 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कानून व्यवस्था नहीं बिगड़े, इसलिए TMC सांसदों को हवाई अड्डे पर रोका गया: राजनाथ

नई दिल्ली।

सरकार ने आज कहा कि असम के सिलचर हवाई अड्डे पर गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को खुफिया जानकारी के आधार पर रोका गया। गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान विपक्ष द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने पर कहा कि असम सरकार को मीडिया और खुफिया एजेंसियों से कुछ जानकारी मिली थी जिसके आधार पर कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए सिलचर हवाई अड्डे पर तृणमूल के प्रतिनिधि मंडल को रोका गया था। सिंह ने तृणमूल सदस्य कल्याण बनर्जी के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि प्रतिनिधिमंडल में शामिल पार्टी के 6 सांसदों और पश्चिम बंगाल के कुछ मंत्रियों के साथ कोई दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे पर जिलाधिकारी ने पूरे प्रोटोकॉल के साथ सभी का स्वागत किया और हाथ जोड़कर अनुरोध किया कि वहां धारा 144 लगी हुई है, इसलिए उनका बाहर जाना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से जानकारी मिली है कि प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्यों ने पुलिस के साथ हाथापाई की और इसी में एक सांसद को थोड़ी-बहुत चोट लगी थी। दो महिला पुलिस कर्मचारी भी घायल हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिनिधिमंडल ने हवाई अड्डे पर हंगामा भी किया जिसकी कुछ यात्रियों ने भी शिकायत की। सिंह ने कहा कि उसके बाद कोई अगली फ्लाइट उपलब्ध नहीं होने के कारण सांसदों को रात भी हवाई अड्डे के अतिथिगृह में ठहराया गया और आज सुबह की फ्लाइट से कोलकाता होते हुए दिल्ली भेजा गया है। इससे पहले बनर्जी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल सिर्फ स्थिति का जायजा लेने के लिए वहां गया था। वहां उनसे कहा गया कि आज जाकर जनसभा करेंगे। सांसदों के जनसभा से इनकार करने के बावजूद उन्हें नहीं जाने दिया गया और उनके साथ हाथापाई की गई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पार्टी ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस भी दिया है।

इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा कुछ बोलने पर बनर्जी ने कहा कि उनके बयान से साफ है कि सांसदों को रोके जाने के पीछे सरकार की गलत मंशा थी।

संक्षिप्त समाचार

अनंतनाग में सीआरपीएफ पोस्ट पर अतंकी हमला, 2 जवान घायल

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में शुक्रवार को आतंकियों के हमले में एक सी.आर.पी.एफ कर्मी और एक पुलिस एस.पीओ समेत दो लोग जख्मी हो गए। हमले के बाद आतंकी भागने में कामयाब रहे। जानकारी के मुताबिक आज दोपहर को करीब सवा एक बजे आतंकियों ने जिला अनंतनाग मुख्यालय में मेहदीकदल के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक की स्थानीय शाखा के बाहर स्थित सीआरपीएफ बंकर के बाहर खड़े सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाते हुए पहले ग्रेनेड फेंका।ग्रेनेड जैसे ही जवानों के पास गिरकर फटा, आतंकियों ने उसी समय अपने स्वचालित हथियारों से फायरिंग भी की। धमाका होते ही दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अन्य किसी तरह बच गए और उन्होंने तुरंत अपनी पोजीशन ले जवाबी फायर करना चाहा। लेकिन धमाके और उसके बाद फायरिंग की आवाज से वहां अफरा.तफरी मच गई । लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की तरफ भाग रहे थे। नागरिक क्षति से बचने के लिए जवानों ने कुछ संयम बरता और आतंकी इसका फायदा ले सुरक्षित भाग निकले। घायल सुरक्षाकर्मियों की पहचान सीआरपीएफ की 27वीं वाहिनी की डेल्टा कंपनी में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर श्याम सुंदर दास पुलिस एसपीओ मुदस्सर अहमद डार के रुप में हुई है। दोनों को उपचार के लिए श्रीनगर स्थित सैन्य अस्पताल में लाया गया। इस बीच, पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने घटनास्थलल और उसके साथ सटे इलाकों की घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान चलाया। फिलहाल, किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

बाढ़ के बावजूद कम बरस रहा मॉनसून

नेशनल डेस्क । देश में बाढ़, लैंडस्लाइडस और बादल फटने की घटनाओं ने भले ही पिछले कुछ दिन से दहशत का माहौल पैदा कर रखा हो।

दिल्ली की नहर बनी सड़कें हों, उत्तराखंड में बहती गाडियां या हिमाचल में बारिश के बाद लैंड स्लाइड में दबे घर। यह सब बारिश और मानसून को डरावना रूप देकर प्रस्तुत करने के लिए काफी है। पूरा देश खासकर उत्तर भारत मॉनसून से हो रहे नुक्सान से परेशान है। लेकिन क्या आपको पता है कि इसके बावजूद मॉनसून ज्यादा तो क्या सामान्य रूप में भी नहीं बरसा है ? जी हां अस्सी फीसदी देश में मानसून सामान्य से कम बरसा है। जून से सितंबर तक के चार महीनों को मानसून सीजन माना जाता है। इस लिहाज से आधा समय बीत चुका है। दूसरे शब्दों में आधा मॉनसून बरस जाना चाहिए था, लेकिन आपको बता दें कि इन दो माह में देश के किसी भी हिस्से में ज्यादा बारिश नहीं हुई है। अलबत्ता बीस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहां मानसून अभी माइनस में है। खास बात यह कि पूर्वोत्तर जिसे भारी बारिश के लिए जाना जाता है, वहां मानसून बहुत की कम बरसा है। मसलन मणिपुर में माइनस 64 फीसदी बारिश हुई है तो मेघालय में माइनस 43 फीसदी बारिश हुई है। असम में सामान्य से 27 प्रतिशत, बिहार में 23 और नगालैंड में 20 फीसदी कम बारिश हुई है। इसी तरह उत्तरी भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू -कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी सामान्य से कम बारिश हुई है। पूरे देश की बात करें तो औसतन 8 फीसदी कम बारिश हुई है। ऐसे में अब जबकि आधा सावन माह बीत चुका है यह देखना होगा कि भादों और आश्विन में क्या बारिश की कमी पूरी हो पाएगी ।

टेक ऑफ करते ही रनवे से उतरा जेट एयरवेज का विमान, सभी 150 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। रियाद से मुंबई जा रहा जेट एयरवेज का एक विमान उड़ान भरते समय रनवे से उतर गया, हालांकि घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इस विमान में करीब 150 लोग सवार थे। एयरलाइन ने एक ट्वीट में बताया कि सभी यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया है और किसी को कोई चोट पहुंचने की खबर नहीं है। घटना की वास्तविक वजह जानने की लिए जांच की जा रही है। एयरलाइन ने बताया, ''हमारा 9 : 523 विमान 142 अतिथियों और चालक दल के सात सदस्यों के साथ तीन अगस्त को रियाद से मुंबई जा रहा था। वह उड़ान नहीं भर सका और रियाद एयरपोर्ट पर रनवे से हट गया। हमारे सभी अतिथियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।'' सूत्रों ने बताया कि टेक ऑफ के दौरान विमान की गति बहुत ज्यादा हो गई थी जिससे विमान रनवे से बाहर जा सकता था। यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को फिलहाल रियाद हवाई अड्डे के भीतर टर्मिनल इमारत में रखा गया है।

अज्ञात बंदूकधारियों ने जम्मू कश्मीर बैंक से लूटी कैश, गार्ड से राइफल छीन हुये फरार

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के कपरान क्षेत्र में कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने जम्मू कश्मीर बैंक से कैश लूट ली। हमलावर बैंक सुरक्षाकर्मी की 12 बोर की राइफल छीनने

में भी कामयाब रहे। जानकारी के अनुसार उन्होंने बैंक से करीब 75850 कैश लूटी है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। वहीं सुरक्षाबलों की टीम भी पहुंच गई है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। आपको बता दें कि वीरवार को भी दक्षिण कश्मीर में आतंकियों ले जम्मू कश्मीर बैंक के एक सुरक्षाकर्मी की राइफल छीन ली थी।

सुषमा संसाधन समृद्ध मध्य एशियाई देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत बनाने के भारत के प्रयास

कजाखस्तान के विदेश मंत्री से मिली सुषमा स्वराज, सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

नेशनल डेस्क।

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने आज कजाखस्तान के अपने समकक्ष कैरात अब्द्राखमानोव से मिलकर कारोबार, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। सुषमा संसाधन समृद्ध मध्य एशियाई देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत बनाने के भारत के प्रयासों के तहत तीन देशों कजाखस्तान, किर्गिजस्तान और उज्बेकिस्तान की यात्रा पर हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि 2009 से रणनीतिक साझेदार। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कजाखस्तान के विदेश मंत्री कैरात अब्द्राखमानोव से मुलाकात की। व्यापार, निवेश, सुरक्षा, ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, फार्मा और सांस्कृतिक क्षेत्र में आपसी सहोयग मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

प्रतिनिधि स्तर की वार्ता से पहले अब्द्राखमानोव ने स्वराज का अपने कार्यालय में गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुंशी प्रेमचंद के बहाने राहुल ने भाजपा पर साधा निशाना

नेशनल डेस्क। राफेल डील और डोकलाम विवाद को लेकर मोदी सरकार पर हमलावर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने सांप्रदायिकता फैलाने वालों पर महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद के विचारों को उद्धृत करते हुए आज कड़ा प्रहार किया और कहा कि सांप्रदायिकता छद्म रूप से समाज को तोडने का काम करती है। हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष ने किसी का नाम नहीं लिया है लेकिन माना जा रहा है कि उनका इशारा भाजपा की ओर ही है। राहुल गांधी ने सांप्रदायिकता को लेकर मुंशी प्रेमचंद के विचारों को ट्वीट कर उन्हें याद किया और कहा कि देश के इस महानत्तम लेखक को स्मरण कर वह प्रणाम करते हैं। उन्होंने लिखा कि सांप्रदायिकता सदैव संस्कृति की दुहाई दिया करती है। उसे अपने असली रूप में निकलने में शायद लज्जा आती है, इसलिए वह उस गधे की भांति, जो सिंह की खाल ओढ़कर जंगल में जानवरों पर रौब जमाता फिरता था, संस्कृति का खोल ओढ़कर आती है। हिंदुस्तान के महानतम लेखक मुंशी प्रेमचंद की याद को प्रणाम। बता दें कि राहुल गांधी पिछले कुछ समय से मोदी सरकार को घेर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने राफेल विमान सौदे में कथित अनियमितता को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए दावा किया था कि 36 विमानों के रखरखाव के लिए अगले 50 वर्षों में देश के करदाताओं को एक निजी भारतीय समूह के संयुक्त उपक्रम को एक लाख करोड़ रुपये देने होंगे।

पुंछ में यूं उड़ाया गया स्वास्थ्य सुविधाओं का मजाक, गर्भवती का इलाज करने के लिए मांगे रुपये

रियासी। बीती रात पुँछ के मेंढर से इलाज के लिए आई एक गर्भवती महिला के परिजनों से सरकारी अस्पताल के कर्मचारियों ने रिश्वत ली लेकिन नवजात की मौत के बाद मामला बढ़ता देख अस्पताल के कर्मचारियों ने रूपये लौटा दिए। परिजनों के साथ कर्मचारियों ने हाथापाई तक भी की। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने रूपये भी दिए लेकिन जब गर्भवती महिला का एक ऑपरेशन किया गया तो पैदा होने वाली बच्ची की मौत हो गई इसके बाद मामला बढ़ता देख कर्मचारियों ने रूपये लौटा दिए। बात यहीं पर खत्म नहीं हुई बल्कि परिजनों का यह भी आरोप है कि गर्भवती महिला के साथ महिला कर्मचारियों ने मारपीट भी की। इलाज के दौरान महिला की भी तबियत बिगड़ गई तो उसका दूसरा ऑपरेशन भी किया गया लेकिन उस महिला कि हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। वहीं जब इस सारे प्रकरण पर सुपरिडेंट से बात की गई तो उनका कहना है कि इस मामले पर वो उचित करवाई करेंगे।

फर्जी खबर रोकने के लिए सोशल मीडिया से जुड़े 700 प्लेटफार्म बंद

नई दिल्ली।

सरकार ने सोशल मीडिया के मार्फत फर्जी खबरों का प्रसार रोकने के लिए पुख्ता कार्रवाई करने का दावा करते हुए कहा है कि फेसबुक और ट्विटर जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़े लगभग 700 वेबपोर्टल के यूआरएल बंद किए गए हैं। इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि फर्जी खबरों को रोकने के लिए सरकार ने फेसबुक और ट्विटर सहित सभी सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही तय करते हुए इस पर कड़ी निगरानी के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने बेशक, जनसामान्य को सवाल उठाने का सशक्त मंच मुहैया कराया है। सरकार ने सवाल उठाने के जनता के अधिकार को मजबूत बनाते हुए इसकी आड़ में फर्जी खबरों को रोकने की भी पहल की है। इसके तहत सोशल मीडिया कंपनियों ने आईटी कानून के दायरे में कार्रवाई करते हुए तमाम यूआरएल ब्लॉक किए हैं।

प्रसाद ने बताया कि इस साल जून तक फेसबुक ने 499, यूट्यूब ने 57, ट्विटर ने 88, इंस्टाग्राम ने 25 और टंबलर ने 28 यूआरएल बंद किए हैं। उल्लेखनीय है कि कई सदस्यों ने सोशल मीडिया के माध्यम से फैली फर्जी खबरों के कारण पीट पीट कर मार डालने की घटनाओं का हवाला देते हुए सरकार से इसे रोकने के लिए किए गए उपायों की जानकारी मांगी थी। इसके जवाब में प्रसाद ने बताया कि निसंदेह भारत एक उभरती हुई डिजिटल ताकत है, लेकिन इससे इतर सोशल मीडिया कंपनियां 'कंटेंट' को लेकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती हैं।

उन्होंने मीडिया की भी जिम्मेदारी तय करने से जुड़े सवाल के बारे में कहा कि उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस बारे में भारतीय प्रेस परिषद से मशविरा करने को कहा है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर 10 अगस्त से रात में भी शुरू होंगी उड़ानें

श्रीनगर ।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर दस अगस्त से रात में उड़ान संचालन शुरू होने वाला है। भारतीय वायुसेना नौ अगस्त को उड़ान का परीक्षण करेगी। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निदेशक आकाश दीप माथुर ने कहा कि जहां तक आधारभूत ढांचे और सुरक्षा का सवाल है तो हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वायुसेना नौ अगस्त से उड़ान परीक्षण करेगा और इसके बाद दूसरी उड़ानों का संचालन अगले दिन यानी दस अगस्त से शुरू हो जाएगा। माथुर ने संवाददाताओं से कहा कि मैंने एयरलाइंस से उड़ान कार्यक्रम सौंपने को कहा है ताकि हम प्रक्रिया शुरू कर सकें। अब तक एयर इंडिया, गो एअर और इंडिगो ने रुचि दिखाई है लेकिन उन्हें अब तक अपना प्रस्ताव नहीं सौंपा है। हाल में शेख उल आलम एयरपोर्ट के निदेशक के रूप में पद संभालने वाले माथुर ने कहा कि फिलहाल, श्रीनगर से अंतिम उड़ान शाम पांच बजकर 45 मिनट की है। रात में उड़ान संचालन शुरू होने के बाद यह समयसीमा बढकर रात दस बजे तक हो जाएगी।

रसाना रेप केस में न्याय की मांग करने वाला गुज्जर नेता तालिब हुसैन बलातकार मामले में गिरफ्तार

जम्मू।

कठुआ रेप कांड में विरोध प्रदर्शन करने और न्याय के लिए रैलियां निकालने वाला गुज्जर नेता तालिब हुसैन को पुलिस ने बलातकार के आरोप में गिरफ्तार किया है। तालिब के खिलाफ पीड़ित महिला ने पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है कि हुसैन ने उसके साथ डेए महीना पहले चड़वा के जंगल में रेप किया और उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता का आरोप है कि वो जंगल में मवेशी चराने गई थी और वहीं पर तालिब हुसैन ने हथियार की नोक पर उससे रेप किया और उसे धमकाया कि अगर उसने किसी से इस बारे में बात की तो वह पीड़िता को जान से मार देगा। पीड़िता ने कहा कि वो काफी समय से डर के मारे चुप थी पर उसने अब यह बात अपने पति को बता दी है और वह न्याय चाहती है। पुलिस के अनुसार तालिब के खिलाफ आर्म्स एक्टके तहत भी मामला दर्ज है। रेप की शिकायत के बाद तालिब हुसैन को गिरफ्तार कर लिया गया है। तालिब हुसैन खुद को गुज्जर नेता और वकील बताता है। परन्तु उसकी वकालत की पढ़ाई पूरी नहीं हुई है। वह इस वर्ष जनवरी में उस समय चर्चा में आया जब कठुआ में एक आठ वर्ष की मासूम बच्ची का रेप की उसकी हत्या कर दी गई थी। तालिब ने बच्ची को इन्साफ दिलाने के लिए एडवोकेट दीपिका थुस्सु के साथ मिलकर दिल्ली जाकर न्याय की मांग की।

बैलट पेपर से 2019 के चुनाव की मांग, आत्म मंथन से क्यों भाग रहा है विपक्ष

नेशनल डेस्क ।

भारत में अब पूरी तरह ईवीएम मशीन का इस्तेमाल होता है। हालांकि हाल में हुए चुनावों के बाद ईवीएम पर कई तरह के सवाल खड़े किए गए हैं। किसी भी चुनावों के बाद यह पहला मौका नहीं है जब ईवीएम मशीन की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठे हों।आपको बतां दे कि 2009 में भी कुछ ऐसे ही सवाल उठे थे, पर उस वक्त भी आयोग की चुनौती स्वीकार कर कोई भी दल ईवीएम मशीन के साथ छेड़छाड़ की बात को साबित नहीं कर पाया था। लेकिन इस साल मार्च में भाजपा के जनरल सेक्रेटरी राम माधव ने पत्रकारों को बताया था कि अगर आम सहमति बनती है भाजपा को भी बैलट पेपर से एतराज नहीं होगा। 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद लालकृष्ण आडवाणी ने सबसे पहले ईवीएम पर सवाल उठाए थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में जब बसपा को कोई भी सीट नहीं मिली तो उन्होंने भी अपनी हार का जिम्मेदार ईवीएम में गड़बड़ी को बताया था। उसके बाद तो कांग्रेस, सपा और आम आदमी पार्टी ने भी ईवीएम में गड़बड़ी का आदेश जताया। 2017 में तो बाकायदा आप विधायक सौरभ भरद्वाज ने दिल्ली विधानसभा में डेमो करके दिखाया था कि किस तरह ईवीएम में छेड़छाड़ संभव है। 1982 में ईवीएम का पहली बार इस्तेमाल केरला विधानसभा के उप चुनाव में हुआ। पहली बार ईवीएम पूरे भारत में 2004 के लोकसभा चुनाव में हुआ। ईवीएम से वोट डालने और गिनती में कम समय लगता है। अनपढ़ लोगों को ईवीएम से वोट डालने में आसानी होती है। ईवीएम मशीनों को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाना आसान होता है। बूथ कैप्चरिंग यानि भरी मात्रा में बोगस वोटिंग की सम्भावना नहीं होती। बैलट पेपर में इंक डालकर मतपेटी में पड़े सभी वोटों को इनवैलिड कराया जा सकता था जो ईवीएम में संभव नहीं। ईवीएम बैटरी से चलता है। इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं होता। इसलिए इसे हैक नहीं किया जा सकता। वीवीपैट व्यवस्था के तहत वोटर डालने के तुरंत बाद स्क्रीन पर जिस उम्मीदवार को वोट दिया गया है, उनका नाम और चुनाव चिह्न दिखाई देता है। इस साल चुनाव आयोग ने नया थर्ड न्यू जनरेशन ईवीएम लांच किया है जिसे मार्क 3 नाम दिया गया है। आयोग के अनुसार इस ईवीएम में एक चिप लगी है जिसमें एक ही बार सॉफ्टवेयर कोड लिखा जा सकेगा। यहां तक की अगर कोई इससे छेड़छाड़ करने की कोशिश करता है तो यह मशीन खुद की बंद हो जाएगी। जो लोग दलील देते हैं की अमेरिका जैसे विकसित देशों में अभी भी बैलट पेपर से वोटिंग होती है तो उन्हें समझना चाहिए कि वहां की जनता भारतीयों के मुकाबले ज्यादा पढ़े लिखे हैं और चुनाव के प्रति अपनी जिम्मेदारियों और अधिकारों को लेकर ज्यादा जागरूक और सवेंदनशील हैं। राजनीतिक दलों को चाहिए वह समय के साथ चलें। अपनी हार के कारणों का मंथन करें। जिस कमियों के कारण बैलट पेपर को छोड़ा था उसे दोबारा अपनाना न पड़े। जनता से जुड़ेंगे, जनता की आवाज बनेगे तो ईवीएम जैसी बेजुबान वस्तु पर अपनी हार का ठीकरा फोडने की ज़रुरत नहीं पड़ेगी।

संपादकीय

आरक्षण में सुधार का समय

लोकसभा में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने वाले विधेयक के सर्वसम्मति से पारित होने से इसके प्रति सुनिश्चित हुआ जा सकता है कि उसे राज्यसभा में भी विपक्ष का समर्थन मिलेगा। इस विधेयक को दूसरी बार संसद में इसलिए लाना पड़ा, क्योंकि पिछली बार राज्यसभा में कुछ विपक्षी दलों ने उसके मूल स्वरूप में बदलाव कर दिया था। उम्मीद है कि इस बार ऐसा नहीं होगा और पिछड़ा वर्ग आयोग जल्द ही संवैधानिक दर्जे से लैस हो जाएगा- ठीक वैसे ही जैसे अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग है। यह अजीब है कि जब अन्य पिछड़ा वर्गो के लिए आरक्षण लागू हुए 25 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं तब उससे संबंधित आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का रास्ता साफ हो रहा है। निःसंदेह संवैधानिक दर्जा हासिल करने के बाद पिछड़ा वर्ग आयोग कहीं अधिक सक्षम होगा, लेकिन यह कहना कठिन है कि वह आरक्षण संबंधी समस्याओं का समाधान करने में भी समर्थ होगा। विभिन्न जातीय समूह जिस तरह ओबीसी आरक्षण के दायरे में आने के लिए जोर दे रहे हैं और इस क्रम में धरना-प्रदर्शन भी कर रहे हैं उससे लगता नहीं कि पिछड़ा वर्ग आयोग और साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकारों के लिए कोई आसानी होने जा रही है। आखिर इसकी अनदेखी कैसे की जा सकती है कि जब पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर समर्थ बनाया जा रहा है तब कई सक्षम मानी जाने वाली जातियां अपने लिए आरक्षण मांग रही हैं। यह एक तथ्य है कि इन दिनों उग्र तरीके से आंदोलन कर रहे मराठा समूह इसके बावजूद आरक्षण चाह रहे हैं कि वे उसकी पात्रता की परिधि में नहीं आते। कुछ ऐसी ही स्थिति आरक्षण के लिए आंदोलन की राह पर चलने वाले अन्य जातीय समूहों की भी है।1लोकसभा में पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने वाले विधेयक पर चर्चा के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से क्रीमी लेयर हटाने और आरक्षण की सीमा बढ़ाने की जो मांग की गई उससे यही संकेत मिलता है कि आरक्षण संबंधी मांगों का सिलसिला थमने वाला नहीं हैं। यह तय है कि यदि किसी एक जातीय समूह को आरक्षण मिला तो कुछ अन्य जातीय समूह आरक्षण की मांग लेकर आगे आ जाएंगे। इसमें संदेह है कि ओबीसी आरक्षण का वर्गीकरण करने से बात बनेगी। अच्छा होगा कि आरक्षण की व्यवस्था को ऐसा स्वरूप देने पर विचार हो जिससे वह पात्र लोगों को ही मिल सके और उसे सरकारी नौकरी पाने का जरिया भर न माना जाए। अभी तो ऐसा ही अधिक है। इसके अलावा एक विसंगति यह भी है कि आरक्षण का लाभ ले चुके लोग भी पीढ़ी दर पीढ़ी उसे हासिल कर रहे हैं। इनमें वे भी हैं जो संपन्न और प्रभावशाली हैं। आरक्षण शोषित-वंचित एवं पिछड़े तबकों के उत्थान का माध्यम है। अच्छा होगा कि अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के साथ अन्य पिछड़ी जातियों को हासिल आरक्षण व्यवस्था की इस दृष्टि से समीक्षा की जाए कि इससे मूल उद्देश्य की प्राप्ति सही तरह हो रही है या नहीं? इसी के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आरक्षण के दायरे में कैसे लाया जाए।

करेंसी वॉर की आहट

रेपो रेट/ अनिल उपाध्याय

रेट वृद्धि के साथ अगर ग्रोथ कम होती है। डिमांड कम होती है तो अवश्य उसका नकारात्मक प्रभाव सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर पड़ना चाहिए। मगर सुखद स्थिति है कि आरबीआई ने जीडीपी के अनुमान में कोई कमी नहीं की है और वह अनुमान 7.4 फीसद ही रखा गया है। यह हमारी अर्थव्यवस्था की अन्तर्निहित मजबूती का प्रतीक है। ऑयल के बढ़ते मूल्य जब डॉलर के बढ़ते मूल्य से कदमताल मिलाते हैं तो अवश्य ही चिंता होती हैं। इस बड़े जोखिम के प्रबन्धन का एक मात्र उपाय है-विदेशी निवेश एवं एक्सपोर्ट्स की बढ़ती विदेशी आय पर विशेष ध्यान दिया जाना ही एकमात्र उपाय है। जो हमारी रफ्तार को डबल डिजिट विकास दर की ओर ले जा सकता है। भारत आज बहुत बड़े महत्त्वपूर्ण पड़ाव पर है।

रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने वर्तमान नरेन्द्र मोदी की सरकार के कार्यकाल में लगातार दूसरी बार रेपो रेट में वृद्धि की है और अब वह 6.5 प्रतिशत हो गयी है। इस वृद्धि का अनुमान वित्तीय व आर्थिक विशेषज्ञों को पहले से ही था और शेयर बाजार ने भी इस वृद्धि के अनुमान को अपनी बढ़त में समाहित कर लिया था। यही कारण है कि कोई विशेष उथल-पुथल कैपिटल मार्किट में अथवा करेंसी मार्किट में नहीं देखी गयी और रु पया भी अपने दायरे में ही रहा। रिज़र्व बैंक गवर्नर उर्जित पटेल ने अपने संबोधन में करेंसी वार का जिक्र किया। उनके अनुसार ट्रेड को लेकर अमेरिका की नीतियां विश्व को इस करेंसी वार की ओर धकेल सकती हैं। यह एक बिलकुल नये प्रकार का जोखिम है, जिसके बारे में अनुमान लगाना असंभव है। यही कारण है कि अपनी नीति में एक तरफ आउटलुक तटस्थ रखते हुए भी रेपो रेट में वृद्धि की गयी है। ऐसा उन संभावनाओं को देखते हुए है जिसका इशारा अमेरिका के फेड चेयरमैन पॉवेल ने किया है। उनके अनुसार अमेरिका में रेट की वृद्धि लगभग तय है। कई देश इस समय अपने आप को किसी बड़े पूंजी निकासी के लिए तैयार कर रहे हैं।ऐसा उस स्थिति में जिसमें कि अमेरिका अपनी ब्याज दरों में वृद्धि करेगा और अमेरिकी डॉलर निवेश के लिए निरंतर आकर्षक हो सकता है। इसका स्पष्ट मतलब है कि चीन और अमेरिका के आपसी व्यापारिक सम्बन्ध और खराब हो सकते हैं। भारत उस जोखिम से अछूता नहीं है। अमेरिका ने अभी हाल में ही हमारे स्टील और अल्मुनियम पर भी ड्यूटी बढ़ाई थी और भारत ने भी कैलिफ़ोर्नियन बादाम इत्यादि को अपनी वृद्धि की सूची में शामिल किया था। यह बिलकुल नयी परिस्थिति है। गवर्नर महोदय ने करेंसी वार का जिक्र करके सही ही किया है।यदि सिर्फ आयल की कीमतें एवं मुद्रास्फीति ही मुद्दा होती तो शायद यह वृद्धि न होती। यह अति सक्रियता है। इस अति सक्रियता का वाजिब कारण है। चीन जो कि काफी लम्बे समय से अपनी मुद्रा को जानबूझ कर कमजोर रखे हुए हैं। अमेरिका द्वारा लिए जा रहे कदम चीन को मुद्रा अवमूल्यन की ओर भी धकेल सकते हैं और मजबूती की ओर भी। ऐसी स्थिति में रुपये में कमजोरी बढ़ सकती है। यह सब अचानक नहीं होगा। अमेरिका चीन का इलाज धीरे-धीरे करेगा जैसे कि चीन ने धीरे-धीरे उसके बाजारों पर कब्जा जमाया है। रेपो रेट में वृद्धि का मुख्य ध्येय मांग में कमी ला कर मुद्रास्फीति को रोकना होता है। उसके लिए रु का जा सकता था क्योंकि मॉनसून बिलकुल ठीक-ठाक है और कच्चा तेल भी अब नीचे की ओर धीरे-धीरे आ ही रहा है। अमेरिका में कच्चे तेल का उत्पादन फिर से रिकॉर्ड स्तर पर है एवं ईरान से बातचीत को अमेरिका उत्सुक नजर आ रहा है। हालांकि अभी इसमें काफी दिक्कतें हैं। मगर वे हल हो भी सकती हैं। इन सबके चलते डॉलर की नियंतण्र मजबूती ने मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी और गवर्नर साहब को इस बात के लिए बाध्य किया कि वह रेट में वृद्धि करें। जीएसटी के झटकों से उभरती हुई अर्थव्यवस्था को एक हल्का झटका दिया जाए। यह आवश्यक कड़वी दवाई है। यह वृद्धि की दो बूंदें हैं, जो करेंसी वार की स्थिति में हमें पोलियो ग्रस्त होने से बचाएंगी। यह जो बार-बार ऐसी घोषणाओं में अनिश्चितता बताई जाती है, वह सदैव होती है। इसमें कुछ नया नहीं होता कि मॉनसून पर नजर रखनी होगी। मुद्रास्फीति की स्थिति अनिश्चित है। ऐसा तो हमेशा से है और रहेगा। मगर जो सबसे नयी अनिश्चितता है, वह है ''ट्रम्प'। आज न मॉनसून, न ऑयल, न चुनाव महत्त्वपूर्ण रह गए हैं। आज तो सबसे महत्त्वपूर्ण ट्रम्प साहब का ट्वीट है। अनिश्चतता का वातावरण और उथल-पुथल का कारण आज अमेरिका का बार-बार यू टर्न लेना है। संरक्षणवाद की ओर बढ़ता अमेरिका कब नया चीन बन जाए और चीन अपने सामान के लिए बाज़ार ढूंढ़ता-ढूंढ़ता कब नया अमेरिका बन जाएगा, कोई नहीं जानता। इसी जोखिम को ध्यान में रखकर रिज़र्व बैंक ने सही कदम उठाया कि रेपो रेट में वृद्धि की। चुनावों के सन्निकट होने के बावजूद यह वृद्धि रिज़र्व बैंक की स्वायतत्ता की ओर भी इशारा करती है, जो कि बहुत अच्छा संकेत है। इस वृद्धि के परिणामस्वरूप वही होगा जो रेपो रेट की वृद्धि के साथ हमेशा होता है अर्थात ऋण लेना महंगा हो जाएगा, कर्ज की मासिक किश्तें बढ़ जायेंगी, मकानों की डिमांड में कमी आ सकती है। ऑटो सेक्टर में कमजोरी महसूस की जा सकती है। हां, डिपाजिट रेट बढ़ेंगे। कुछ बैंकों ने यह वृद्धि कर भी दी है और कुछ जल्द ही करेंगे। रेट वृद्धि के साथ अगर ग्रोथ कम होती है। डिमांड कम होती है तो अवश्य उसका नकारात्मक प्रभाव सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर पड़ना चाहिए। मगर सुखद स्थिति है कि आरबीआई ने जीडीपी के अनुमान में कोई कमी नहीं की है और वह अनुमान 7.4 फीसद ही रखा गया है। यह हमारी अर्थव्यवस्था की अन्तर्निहित मजबूती का प्रतीक है। ऑयल के बढ़ते मूल्य जब डॉलर के बढ़ते मूल्य से कदमताल मिलाते हैं तो अवश्य ही चिंता होती हैं। इस बड़े जोखिम के प्रबन्धन का एक मात्र उपाय है-विदेशी निवेश एवं एक्सपोर्ट्स की बढ़ती विदेशी आय पर विशेष ध्यान दिया जाना ही एकमात्र उपाय है। जो हमारी रफ्तार को डबल डिजिट विकास दर की ओर ले जा सकता है। भारत आज बहुत बड़े महत्त्वपूर्ण पड़ाव पर है। रिज़र्व बैंक ने रेपो रेट में वृद्धि कर के यह संकेत दिया है कि नियंतण्र गतिविधियों का मौद्रिक नीतियों पर प्रभाव अब बढ़ रहा है और इस चुनौती से निपटने के लिए हम कड़े फैसले लेने को तैयार हैं। एक बात और विचारणीय है और वह यह है कि अगर अगले दो माह मॉनसून अपनी रफ्तार कायम रखता है और ईरान अमेरिका के मध्य कोई डील हो जाती है तो ऑयल के दाम स्थिर होते जायेंगे और कम भी हो सकते हैं। ट्रेड संबंधों में नए अध्याय जुड़ेंगे तो इस बात की भी संभावना है कि हमारे निर्यात में अप्रत्याशित उछाल आये। अमेरिका के दवाब में चीन अपनी मुद्रा को जानबूझ कर कमजोर न कर पाए और उस पर अंकुश लगे तो भी यह स्थिति काफी लाभप्रद हो सकती है। जीडीपी कलेक्शन में आशा से अधिक कलेक्शन को भविष्य में नकारा नहीं जा सकता। रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता की और कुछ और कदम बढ़ सकते हैं। यह सब वह सकारात्मक आशाएं-अपेक्षाएं हैं; जो एक बार फिर से रेपो रेट कम करने की दिशा में देश को ले जा सकती हैं।

आज का राशीफल

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

सेहत चाहें तो खाली रखें दिमाग

- डॉ. दीपक आचार्य

शरीर का सीधा संबंध चित्त और दिमाग से रहता है। यों कहें कि सूक्ष्म रूप में जो संस्कार हमारे चित्त में आते हैं, जो विचार मस्तिष्क में अंकुरित होते हैं वे समाप्त नहीं होते जब तक कि ये अपने अंतिम लक्ष्य या परिणति को प्राप्त न हो जाएं। और ऐसा होना कभी संभव है ही नहीं क्योंकि एक इंसान के दिमाग में हर पल कुछ न कुछ विचार उठते रहते हैं। इनमें यदि सकारात्मक विचार होगा तो यह नुकसान नहीं करेगा, क्योंकि इसके प्रति हम उतने गंभीर नहीं होते जितने होने चाहिए। इस स्थिति में यह विचार अपने पास से होकर औरों के पास चला जाता है और पात्र की तलाश लगातार जारी रखते हुए जहाँ कहीं कोई पात्र मिल जाता है वहाँ जाकर टिक जाता है और थोड़े से दिनों या घण्टों में अपनी पूर्णता को प्राप्त कर लेता है। इसे अपने लिए किसी स्थूल जगह की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन विचार के नकारात्मक और विध्वसंक होने पर उसका सूक्ष्म अस्तित्व उपस्थित होगा, इसका अंकुरण हो जाएगा और फिर वह दिमाग में हमेशा-हमेशा के लिए शोर्ट कट के रूप में पड़ा रहेगा। जैसे ही दिमाग में किसी विचार का कोई सा शोर्ट कट सृजित होता है वह पूरे शरीर में कहीं न कहीं किसी न किसी अंग में अपने लिए स्थूल स्थान या पॉकेट तलाशता है और थोड़े दिन में स्थान बना लेता है। यह स्थूल स्थान अतिरिक्त चर्बी के रूप में होता है जो शरीर के किसी भी हिस्से में जगह बना सकता है। जो लोग नकारात्मक विचारों, फालतू की चर्चाओं, निन्दा, एक-दूसरे को नीचा दिखाने, शिकायतों के माध्यम से औरों का अहित करने वाले, बड़े लोगों की चापलुसी कर कान भरने वाले, औरों के नाम पर बन्दरिया उछलकूद करने वाले, सज्जनों को तनाव देकर दुःखी करने वाले, ईर्ष्या-द्वेष, अपराधों, अहंकार, शोषण, भ्रष्टाचार, बेईमानी और अमानवीय कामों से जुड़े रहते हैं उन लोगों में स्थूलता का एक कारण यह भी है। हालांकि स्थूलता शारीरिक और आनुवंशिक कारणों से भी होती है लेकिन यह भी देखा गया है कि लोग जितने अधिक पाप करते हैं, दुष्ट, नालायक और व्यभिचारी होते हैं, पाप कर्मो वाले पुरुषों का खान-पान करते हैं, साथ रहते हैं, इनके साथ समागम करते हैं, हराम की कमाई पर जिन्दा रहते हैं और जिनका तन-मन-मस्तिष्क आदि सब कुछ मलीन होता है वे लोग सहज-स्वाभाविक रूप से स्थूलता प्राप्त करते जाते हैं। इसके अलावा स्थूलता आरामतलबी जिन्दगी, वंशानुगतता और दूसरे कई प्रकार के रोग की वजह से भी हो सकती है लेकिन यह भी साफ देखा गया है कि जब कोई इंसान गुप्त या प्रकट किसी भी रूप में पाप कर्म करने लगता है अथवा पापियों, ढोंगियों, झूठों, भ्रष्ट लोगों, व्यभिचारियों, संवेदनहीनों और धूर्त-मक्कारों को प्रश्रय देता है, उनका संरक्षण करता है और उन्हें प्रोत्साहित करता है अथवा अपना मित्र बनाता है तब उसकी स्थूलता तीव्रता से बढ़ती चली जाती है। इसका एक कारण यह भी है कि जो इंसान पुरुषार्थी होता है वह जी तोड़ मेहनत करके कमाता और खाता है तथा पूरी ईमानदारी के साथ परिश्रम की कमाई से अपना परिवार पालता है। लेकिन जो लोग अपने दिमागी चातुर्य और शोषण-अन्याय-अपराध व बेईमानी के रास्ते से हराम का पैसा खाते हैं, चाहे जहाँ मुफत का खान-पान करते हैं उन लोगों की जिन्दगी बिना मेहनत की बैठे-बैठे होने वाली कमाई के कारण आरामतलबी से भर जाती है, मुफ्त में सारे भोग-विलास प्राप्त हो जाते हैं और इस वजह से उन्हें न परिश्रम करना पड़ता है, न परिश्रम कर ही पाते हैं। और इस स्थिति में इनके शरीर को आलस्य-प्रमाद और स्थायी शैथिल्य घेर लेता है। एक तरफ मेहनत का अभाव, दूसरी तरफ हराम के खान-पान से पहले वाले शरीर के कारण इनके शरीर पर अपना बस नहीं चलता, इनका शरीर उन लोगों के चलाये चलने लगता है जिनका खा-पीकर इनका शरीर बना होता है। यही कारण है कि ये लोग परिश्रम के अभाव में आलसी हो जाते हैं और इनका शरीर कबाड़ या कचरा भरी बोरियों या बोरों की तरह होकर रह जाता है। ये लोग एक समय तक ही अपने शरीर से काम ले सकते हैं। इसके बाद न खुद हिल-डुल सकते हैं, न कुछ काम ही कर सकते हैं। और इस वजह से इनकी स्थूलता का ग्राफ निरन्तर बढ़ता रहता है। यह वह अवस्था है जिसमें बिना पुरुषार्थ के पराया खान-पान, दुष्ट एवं पापियों के साथ रहने और उनसे व्यवहार रखने का दोष हमारे सिर पर होता है, उन अपराधियों, भ्रष्टाचारियों के साथ या पास रहने से आभामण्डल की शुभ्रता कालिख में बदल जाती है और नकारात्मक सूक्ष्म शक्तियों के लिए अपना शरीर डेरा बन जाता है।

इन सभी को आश्रय देने के लिए हमारी शारीरिक संरचना ही ऐसी हो जाती है इसमें व्यापक स्थूलता अपने आप आकार लेने लगती है। कुछ अपवादों और शारीरिक बीमारियों को छोड़कर स्थूलता का सीधा संबंध आलस्य-प्रमाद, पुरुषार्थहीनता और किसी न किसी तरह के अमर्यादित आचरण से है। स्थूलता की यह स्थिति न भी हो तब भी शरीर में अन्न का एक दाना और पानी की एक बूंद भी यदि परायों की है, हराम की कमाई से अर्जित है अथवा मुफ्त में पायी गई है, तब वह बूंद और दाना भी हमारे मरने से पहले शरीर से बाहर निकलेगा ही निकलेगा। इसीलिए ऐसे लोगों को गंभीर एवं असाध्य बीमारियां हो जाती हैं और मरने से पूर्व सारी पाप कमाई और हराम का खाया-पीया बाहर निकल जाता है और खटिया पर पड़-पड़े सड़ते हुए इनकी मौत आती है। आज भले ही हम पैसे बचाने के चक्कर में मुफतिया खान-पान और आवास तलाशते रहें, इसका हश्र बुरा ही होना है और यह बचाया हुआ धन पूरा का पूरा निकलता ही है। समझदार लोग यदि इस स्थिति पर गंभीरता से चिन्तन कर अपने भीतर के दोषों और पापों को जानने के प्रयास करें और इनसे बचने तथा पुराने पापों के प्रायश्चित के माध्यम से शुचिता लाने का प्रयास करें तो इस स्थूलता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है पुरुषार्थी बनना, हराम के खान-पान को त्यागना और जीवन में कर्म, व्यवहार तथा चरित्र आदि सभी मामलों में पवित्रता लाना। इसके बिना स्थूल से सूक्ष्म तक की हमारी कोई सी अभीप्सित यात्रा सफल नहीं हो सकती। पहल हमें ही करनी पड़ेगी। संयम और शुचिता से सब कुछ संभव है। जिन्हें शरीर से स्वस्थ और मस्त रहना हो वे दिमाग से अनावश्यक और नकारात्मक विचारों को बाहर निकाल फेंके और बेकार के विचारों को दिमाग में घर न करने दें, इससे अपने आप सेहत ठीक होने लगेगी। दिमाग में बेकार जमे हुए कुविचारों को बाहर फेंक दिए जाने पर सेहत हमेशा दुरस्त रखी जा सकती है।

विचार मंथन

जो सिर्फ फेल नहीं होते, पटरी से भी उतर जाते हैं

अनुराग बेहर सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

वह 12 साल का था और क्लास में सबसे पीछे एक कोने में बैठता था। गणित के शिक्षक उसे रोज चांटे जड़ते थे। गणित की क्लास से पहले हमें खौफ जकड़ लेता, जैसे उसने अपने अपमान और दर्द को अपनी नियति मान लिया है। उसके जरिए विफलता के गंध से अपने शुरुआती स्कूल में ही मैं परिचित हो गया। वह परीक्षा में फेल हो गया था, और उसे उसी कक्षा में रोक दिया गया। छुट्टियों के बाद वह फिर स्कूल नहीं लौटा। किसी ने यह जानने की कोशिश नहीं कि उसका क्या हुआ? यह लगभग 40 साल पहले की बात है। निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 (आरटीई) के तहत 'नो डिटेंशन पॉलिसी' यानी फेल न करने की नीति के वजूद में आने तक असफलता और उसी कक्षा में रोके रखना छात्रों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा था। अपने 12 साल के स्कूली जीवन में मैंने पांच स्कूलों में पढ़ाई की और उस दौरान मैंने कई ऐसे छात्रों को देखा, जो फेल हो गए और उन्हें उसी कक्षा में रोक दिया गया। ऐसे सहपाठियों में काफी कुछ एक जैसा था। वे सभी कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के थे। मुझे एक भी ऐसा चेहरा याद नहीं है, जो सामाजिक रूप से सुविधा संपन्न या उच्च मध्यवर्गीय घर का हो और फेल होने के कारण उसी कक्षा में रोक दिया गया हो। कक्षा में रोके जाने के कदम से उनमें से किसी को कुछ अधिक सीखने में मदद नहीं मिली, बल्कि इसका उल्टा ही असर हुआ। कई तो फिर फेल हुए और उन्हें फिर उसी क्लास में रोक दिया गया। कई ने पढ़ाई ही छोड़ दी, और फिर ज्यादातर हमारी जिंदगी से बाहर हो गए। उनमें और हममें काफी कुछ एक सा था। वे हमारी ही तरह अच्छे थे और वे उतने ही नटखट भी। वे न जाहिल थे और न जहीन। उनमें से दो लड़के तो जबर्दस्त विनोदी थे, सबके साथ चुहल करते रहते। मगर ये सामान्य जिंदगियां जैसे ही क्लास में घुसतीं, परीक्षा की नाकामी उन पर तारी हो जाती। क्या ये स्मृतियां हमारे बालमन की अपरिपक्वता से प्रेरित हैं? शिक्षा संबंधी रिसर्च पूरी दुनिया में काफी हो रही है और इनमें से ज्यादातर इस मुद्दे पर हो रही हैं कि आखिर वह 'क्या' चीज है, जो बच्चों के सीखने में सहायक या बाधक है? ऐसे हर 'क्या' के अध्ययन की गहरी पड़ताल विभिन्न जर्नलों में होती है। सुखद है कि कई अन्य क्षेत्रों की तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी 'मेटा-अध्ययन' उपलब्ध हैं, जिनमें किसी खास विषय पर काफी सारे शोधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन हुआ है और उनके नतीजों के आधार पर सुव्यवस्थित निष्कर्ष निकाला गया है। ऑकलैंड यूनिवर्सिटी में शिक्षा विभाग के प्रोफेसर जॉन हैट्टी ने तो ऐसा काम किया है, जिसे सिर्फ मेटा-मेटा अध्ययन कहा जा सकता है। यह 800 से ज्यादा मेटा विश्लेषणों का संकलन है, जो 52,600 से अधिक रिसर्च अध्ययनों को समेटता है। इस तरह के सभी शोध बच्चों और उनके सीखने की क्षमता पर असर डालने वाले तमाम पहलुओं से जुड़े हैं। अपनी किताब विजिबल लर्निंग में हैट्टी लिखते हैं, 'बच्चों को फेल करने का उनके मन पर त्वरित आघात पहुंचता है और कक्षा में रोक लिए गए बच्चे भविष्य में अकादमिक रूप से खराब प्रदर्शन करते हैं, इनमें से कई तो हमेशा के लिए पढ़ाई छोड़ देते हैं। इतना ज्यादा घातक असर वाला कोई दूसरा शैक्षिक व्यवहार नहीं।' इस सुस्पष्ट निष्कर्ष के कुछ विवरणों पर गौर कीजिए। समान सफलता स्तर वाले विद्यार्थियों में जिन्हें उसी कक्षा में रोका जाता है, वे अगली कक्षा में भेजे जाने वाले सहपाठियों से अधिक नहीं सीख पाते। जिन्हें अगली कक्षा में भेजा जाता है, एक समय के बाद वे कहीं ज्यादा पढ़ते और सीखते हैं। जिन बच्चों को खराब प्रदर्शन के लिए किसी कक्षा में रोका जाता है, वे अमूमन पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं। रोके गए बच्चे चार गुना संख्या में पिछड़ी पृष्ठभूमि से होते हैं। कक्षा में रोकने की चेतावनी बच्चों को पढ़ने व सीखने के लिए प्रेरित नहीं करती। और कक्षा में रोके जाने का सामाजिक व मानसिक रूप से घातक असर होता है। इसलिए आरटीई कानून में संशोधन करके बच्चों को फेल न करने की नीति को वापस लेना कतई उचित नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विदेशों में भी छाए प्रधानमंत्री मोदी, चीन ने भी बांधे तारीफों के पुल

इंटरनैशनल डेस्क।

मोदी को केंद्र की सत्ता में आए चार वर्ष का समय गुजर चुका है। ऐसे में उनकी सरकार के कामकाज को लेकर आकलन पेश किए जा रहे हैं। चीन के सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' में गुरुवार को प्रकाशित एक आलेख में कहा गया कि आर्थिक सुधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। 'ग्लोबल टाइम्स' में माओ कीजी ने गुरुवार को लिखा, मोदी के शासन में तेज आर्थिक विकास हुआ है और देश के कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की है। इन वजहों से मोदी को आधुनिक भारतीय इतिहास के सर्वाधिक प्रभावशाली नेताओं में शुमार किया जा रहा है। इसके साथ विवाद भी उनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। कीजी नैशनल डिवेलमेंट ऐंड रिफॉर्म कमीशन स्थित इंटरनेशनल कोऑपरेशन सेंटर में सहायक शोधकर्ता हैं। उन्होंने लिखा, भारत की सत्ता पर मोदी के काबिज होने के चार साल बाद भी सवाल पूछा जा रहा है कि क्या मोदी देश के लिए अच्छे हैं। कीजी ने आलेख में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का भी जिक्र किया है, जिन्होंने हाल में कहा था कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को लेकर 2014 के बाद से हम गलत दिशा की ओर बढ़े हैं। कीजी के अनुसार, मोदी को लेकर राजनीतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक विवाद होते रहे हैं। हिंदुत्व का एजेंडा भी एक मुद्दा है। लेकिन सबसे अहम आर्थिक मुद्दे ही हैं, जो मकसद को पूरा करने वाले परिणाम ले आते हैं। तमाम विवादों के बीच आर्थिक विकास स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

उत्तर कोरिया में मानवीय सहायता पर लगे प्रतिबंधों को हटा सकता है

संयुक्त राष्ट्र।

उत्तर कोरिया में मानवीय सहायता मुहैया कराने के रास्ते में अवरोधक बने कड़े प्रतिबंधों को नरम करने के लिहाज से अमेरिका द्वारा लाए गए प्रस्ताव का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समर्थन करेगा। एएफपी के पास इससे संबंधित दस्तावेज मौजूद हैं । संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के अनुसार उत्तर कोरिया में मानवीय सहायता संकट की वजह से देश की आधी आबादी, करीब एक करोड़ लोग कुपोषण के शिकार हैं। वहीं पिछले साल उत्तर कोरिया में खाद्यान्न उत्पादन में भी कमी आयी है। संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों में साफ तौर पर यह कहा गया है कि प्रतिबंधों का मानवीय सहायता पर कोई कुप्रभाव नहीं होना चाहिए लेकिन राहत पहुंचाने वाले संगठनों का तर्क है कि कारोबार और बैंकिंग के सख्त नियम और कदमों की वजह से जरूरी आपूर्ति में परेशानियां पैदा हो रही हैं। दस्तावेज के अनुसार पिछले महीने अमेरिका की ओर से पेश किए गए प्रस्ताव में राहत संगठनों और सरकारों को यह साफ निर्देश दिया गया है कि वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा

लगाए गए प्रतिबंधों से उत्तर कोरिया को छूट दें। संयुक्त राष्ट्र की समिति इन नये दिशा-निर्देशों को सोमवार को मंजूरी दे सकती है।

कड़ी सुरक्षा के बीच हुई गे प्राइड परेड, हजारों लोगों ने लिया हिस्सा

यरुशलम।

कड़ी सुरक्षा के बीच यरुशलम में हजारों लोगों ने सालाना गे प्राइड परेड (समलैंगिक गर्व परेड) में हिस्सा लिया। दरअसल 2015 में शहर में आयोजित गे प्राइड परेड पर जानलेवा हमला हुआ था। पुलिस ने कल एक बयान में कहा कि हम किसी भी तरह की अशांति फैलाने की अनुमति नहीं देंगे और हम इस मार्च में हिस्सा लेने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।'' परेड की शुरुआत में 10,000 लोग पहुंचे। परेड की शुरुआत यरुशलम पार्क से हुआ और यह निकट के गलियों से गुजरा। यरुशलम पार्क में एएफपी से बात करते हुए विपक्षी नेता तजीपी लिवनी ने कहा कि मैं यहां सरकार को एक संदेश देने आया हूं कि इस्राइल को निश्चित रूप से ऐसा देश होना चाहिए जो बराबरी और स्वतंत्रता जैसे मूल्यों को मान्यता दे। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार को इस्राइल के इतिहास में सबसे ज्यादा धुर दक्षिणपंथी सरकार की तरह देखा जाता है। साल 2015 में इस तरह के परेड पर हुए हमले में 16 वर्षीय एक लड़की की हत्या कर दी गई थी और पांच अन्य घायल हो गए थे।

प्रधानमंत्री बनने से पहले नई मुसीबत मे घिरे इमरान खान

पेशावर।

पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री बनने को तैयार इमरान खान को सरकारी हेलीकॉप्टरों के गलत इस्तेमाल के संबंध में देश के भ्रष्टाचार रोधी निकाय ने समन भेजा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इससे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खजाने को 21.7 लाख रुपए का नुकसान हुआ। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के 65 वर्षीय प्रमुख को सात अगस्त को पेश होने के लिए समन भेजा। खैबर पख्तूनख्वा में साल 2013 से खान की पार्टी की प्रांतीय सरकार है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, एनएबी प्रांतीय सरकार के हेलीकॉप्टर का 72 घंटे तक इस्तेमाल करके प्रांतीय सरकार के राजकोष में 21.7 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाने की जांच कर रहा है इमरान को इससे पहले 18 जुलाई को समन भेजा गया था लेकिन वह चुनाव के कारण ब्यूरो के समक्ष पेश नहीं हुए। उनके वकील ने एक अपील दायर करते हुए एनएबी से मामले

में आम चुनाव के बाद ''अच्छा हो कि सात अगस्त'' की तारीख तय करने का अनुरोध किया था। खान की पार्टी 25 जुलाई को हुए चुनावों में सबसे बड़े दल के तौर पर उभरी है। 65 वर्षीय नेता के 11 अगस्त को शपथ लेने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी अफगानिस्तान में शिया मस्जिद के भीतर आत्मघाती हमला

खोस्त। पूर्वी अफगानिस्तान में एक शिया मस्जिद के भीतर शुक्रवार की नमाज के दौरान नमाजियों को निशाना बनाकर आत्मघाती हमला किया गया। अधिकारियों का मानना है कि अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाकर किए गए हमले में कई लोग हताहत हो सकते हैं। पाक्तिया के प्रांतीय पुलिस प्रमुख जनरल राज मोहम्मद मानदोजई ने बताया कि गारदेज शहर में शिया मस्जिद के भीतर आत्मघाती बम धमाका हुआ। विस्फोट में कई लोग हताहत हुए हैं लेकिन उनकी संख्या के बारे में अभी पता नहीं चल सका है।

दो सिर के साथ जन्मा ये सीरियाई बच्चा

इंटरनैशनल डेस्क। तुर्की के अंताकया में मुस्तफा कमाल यूनीवर्सिटी अस्पताल में डॉक्टरों ने एक दो सिर वाले बच्चे के दिमाग का सफल ऑपरेशन किय गया। इस बच्चे का नाम अब्दललतीफ शेक्राक है और यह सीरियाई मूल का है। इसे एनसिफेलोसील नाम की बेहद दुर्लभ समस्या थी, जो 12000 में से किसी एक बच्चे में होती है। जब अब्दुललतीफ का जन्म हुआ तो उसका दिमाग उसकी खोपड़ी से बाहर एक झिल्ली में था। इससे उसके दो सिर होने का आभास हो रहा था। बच्चे की हालत देखने के बाद डॉक्टरों ने उसे इस्केनद्रुन डेवलपमेंटल अस्पताल में भेजने का फैसला किया। यहां दिमाग, नसों और रीढ़ की हड्डी के विशेषज्ञों ने 3 घंटे चले ऑपरेशन के बाद खोपड़ी के बाहर निकल रहे उसे दिमाग को उसके अंदर करने में सफलता पाई। एनसिफेलोसील की समस्या से जीवित बचने वाले बच्चों का आंकड़ा 5000 में एक का है। अब्दुललतीफ का सफल ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर मेहमत कोपरान का कहना है कि एनसिफेलोसील की इतनी गंभीर समस्या बच्चे के लिए जानलेवा हो सकती थी। उसे 3 दर्जे की बीमारी थी, जो बेहद गंभीर मानी जाती है और यह बहुत कम होती है। यह बेहद दुर्लभ किस्म की जन्मजात समस्या है, जिसमें बच्चे के दिमाग का एक हिस्सा उसकी खोपड़ी से बाहर निकला रहता है। सिर के पिछले हिस्से में एक झिल्ली में दिमाग बाहर की ओर होता है। यह समस्या 12000 में से किसी एक बच्चे में होती है। कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यह समस्या गर्भ में पल रहे शिशु में विटामिन डी और फोलिक एसिड की कमी से होती है। यह जानकारी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने दी है।

खराब होते प्लास्टिक से निकलती है ग्रीनहाउस गैस

लॉस एंजिलस। जलवायु परिवर्तन को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाली ग्रीनहाउस गैस, साधारण प्लास्टिक के खराब होने से भी बनती हैं। एक नए अध्ययन में ऐसा दावा किया गया है। मनोआ की यूनिर्विसटी ऑफ हवाई के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि ये गैस समुद्रतल, वैश्विक तापमान, धरती एवं महासागर में पारिस्थितिकी तंत्र की सेहत को प्रभावित करने के साथ ही आंधी-तूफान के लिए भी जिम्मेदार होती हैं जिससे बाढ़ और सूखे की आशंका बढ़ जाती है। अपने टिकाऊपन, स्थिरता और कम कीमत के कारण कई तरह से काम आने वाले प्लास्टिक, पर्यावरण पर बेहद हानिकारक प्रभाव डालते हैं। प्लास्टिक खराब होने के दौरान उससे कई तरह के रसायन निकलते हैं जो जीवों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि बेहद साधारण प्लास्टिक जब सूर्य की किरणों के संपर्क में आता है तो उससे मीथेन और एथिलीन जैसी ग्रीनहाउस गैस पैदा होती है। यह अध्ययन प्लोस वन पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

पाकः इकलौते सिख पुलिस अफसर को किया बर्खास्त , सिख समुदाय ने की कड़ी निंदा

इंटरनैशनल डेस्क। धक्केशाही करके घर से बेघर किए गए पाकिस्तान पुलिस के एकमात्र सिख अफसर को गुलाब सिंह शाहीन को अब पाकिस्तान सरकार ने नौकरी से भी बर्खास्त कर दिया है।गुलाब सिंह को बर्खास्त करने की पाकिस्तान में अल्पसंख्यक सिख समुदाय ने कड़े शब्दों में निंदा की है। पाकिस्तान पुलिस ने इस बिनाह पर गुलाब सिंह को बर्खास्त किया है कि उसने ओकाफ बोर्ड द्वारा उससे घर खाली करवाने जिसमें वह गैरकानूनी तरीके से कब्जा करके रह था तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरल कर सहानुभूति हासिल करने की कोशिश की थी। गुलाब पर दूसरा आरोप यह लगाया गया कि वह ओकाफ बोर्ड से लड़ाई लड़ने के लिए तीन माह से ड्यूटी से गैरहाजिर चल रहा था। तीसरा आरोप यह लगाया गया है कि भर्ती के समय गुलाब ने जो अपने दस्तावेज जमा करवाए थे वह सारे जाली पाए गए हैं। वहीं गुलाब सिंह का कहना है कि उसे पाकिस्तान सरकार ओकाफ बोर्ड के सचिव के इशारे पर इसलिए बर्खास्त किया गया है क्यों उन्होंने बेबे नानकी के मायके की जमीन को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज बुलंद की थी।

खास तरह से विकसित मच्छर डेंगू फैलने से रोक सकते हैं

लंदन। अपने तरह की पहली उपलब्धि के तहत आस्ट्रेलियाई अनुसंधानकर्ताओं ने खास तरह से विकसित किये गये मच्छरों को तैनात कर एक पूरे शहर को डेंगू के प्रकोप से बचा लिया है। ये मच्छर जानलेवा डेंगू विषाणु को फैलाने में असमर्थ होते हैं।प्रजनन के माध्यम से इन मच्छरों को प्राकृतिक रुप से पाये जाने वाले वोलबैचिया बैक्टेरिया का वाहक बनाया गया है । यह बैक्टेरिया विषाणु को फैलने से रोक देता है। इन मच्छरों को क्वींसलैंड के टाउंसविले के 66 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में उन स्थानों पर डाल दिया गया जहां वे प्राकृतिक रुप से प्रजनन कर सकते हैं। इन मच्छरों को छोड़े जाने के बाद पिछले चार सालों में इस क्षेत्र में डेंगू का कोई मामला सामने नहीं आया। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय में विश्व मच्छर कार्यक्रम के निदेशक स्कॉट ओ नील ने कहा, ''हम रोग पर वाकई एक बड़ा प्रभाव चाह रहे हैं। डेंगू और जीका पर नियंत्रण के लिए फिलहाल कुछ नहीं काम कर रहा। इस बीमारी के बढ़ते बोझ का सबूत है, जीका एक बड़ी महामारी के रुप में फैला जिसने हाल ही अमेरिका और बाकी दुनिया को गिरफ्त में ले लिया था। उन्होंने कहा कि मैं सोचता हूं कि हमने यहां कुछ ऐसा हासिल किया है जो एक बहुत बड़ा असर डालने जा रहा है और मैं समझता हूं कि यह अध्ययन इस बात का पहला संकेत है

पहली बार मीडिया के सामने आई खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन की मां

रियाद।

अल कायदा प्रमुख और दुनिया का खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन की मां पहली बार मीडिया के सामने आई और अपने बेटे के बारे में उन्होंने कई बातें साझा कीं। द गार्जियन को दिए इंटरव्यू में लादेन की मां आलिया घानेम ने बताया कि उनका बेटा काफी शर्मीला हुआ करता था और पढ़ाई में भी अव्वल था। घानेम ने बताया कि लादेन के जन्म के कुछ समय बाद ही उन्होंने अपने पति से तलाक ले लिया था और दूसरी शादी कर ली। हालांकि घानेम का अपना अब अलग एक परिवार है लेकिन आज भी ओसामा को याद करके उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि लादेन उनसे बहुत प्यार करता था। ओसामा जब 20 साल का था तो वह काफी पवित्र और दृढ़ विचारों वाला था लेकिन बाद में वह काफी बदल गया। जेद्दा की किंग अब्दुल्लाजीज यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान ही वह कट्टरपंथी बना। वहां के लोगों ने ओसामाऔर उसके विचारों को बदल दिया। यूनिवर्सिटी में वह अब्दुल्ला अजाम नाम के एक शख्स से मिला, जो मुस्लिम ब्रदरहुड का सदस्य था और वो ओसामा का धर्मगुरु बन गया। अब्दुल्ला ने ओसामा का ब्रेनवॉश कर दिया और पूरी तरह से अपनी तरफ कर लिया। अब्दुल्ला यह सारा काम पैसों के लिए करता था और नौजवानों को अपनी बातों में लेकर बहकाता था। हमने ओसामा से पूछा तो उसने किसी भी गलत काम में जुड़े होने से इंकार कर दिया। हमने उसे बहुत समझाया कि इस रास्ते पर चलकर कुछ हासिल नहीं होगा। सऊदी सरकार भी लादेन के साथ काफी अच्छी थी लेकिन फिर उसका दूसरा चेहरा सामने आया ओसामा द मुजाहिद। पहली बार लादेन 1980 के दशक के शुरुआती सालों में रूस के कब्जे के खिलाफ लड़ने अफगानिस्तान पहुंचा। हमने कभी नहीं सोचा था कि वह जिहाद के रास्ते पर चल पड़ेगा। घानेम ने बताया कि आखिरी बार वह ओसामा को 1999 में अफगानिस्तान में मिली थी। वह कंधार के बाहर अपने ठिकाने में रहता था। उसके बाद तो उसके मरने की ही खबर आई। लादेन के सौतेले भाइयों ने बताया कि 9/11 आतंकी हमले को 17 साल हो गए हैं लेकिन आज भी उनकी मां ओसामा को नहीं बल्कि उसके साथ रहने वालों को दोषी मानती हैं। लादेन के सौतेले भाई ने बताया कि 9/11 आतंकी हमले के 48 घंटे बाद उन लोगों को पता चला कि इसके पीछे ओसामा का हाथ था। हमारे सिर शर्म से तब झुक गया था। अब दो दशक बाद उनके परिवार में माहौल ठीक हुआ है और अब वे खुलेआम घूम सकते हैं।

पाक में इमरान को रोकने के लिए दुश्मनों ने मिलाए हाथ, देंगे चुनौती

इंटरनैशनल डेस्क।

किसी ने सच ही कहा है राजनीति में कोई दोस्त दुश्मन नहीं होता है। यह बात अब पाकिस्तान पर लागू होती है जहां इमरान को सत्ता संभालने से रोकने के लिए विरोधी 2 पार्टियों ने हाथ मिला लिए है। बीते हफ्ते हुए आम चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी पीटीआई के पीएम पद के दावेदार इमरान खान को चुनौती देने के लिए दो प्रतिद्वंद्वी पार्टियों ने एक साथ होने का दावा किया है। पीएमएल-एन और पीपीपी पार्टियां अब प्रधानमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार खड़ा करेंगी। हालांकि, कुछ छोटी पार्टियों के गठबंधन से इमरान खान के लिए प्रधानमंत्री के तौर पर चुने जाने के कदम पर खास फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन इससे संसद में उनके पास सीटें जरूर कम हो जाएंगी, जिससे उनका अजेंडा पूरा होना मुश्किल होगा। इमरान खान की पार्टी ने 270 सीटों में से 116 पर जीत दर्ज की है और वह जल्द ही निर्दलीय सांसदों और कुछ छोटी पार्टियों संग गठबंधन कर सरकार गठन कर सकते हैं। पूर्व पीएम और जेल की सजा काट रहे नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन की प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने कहा, यह ऐसा गठबंधन है जो चुनावों में हुई धांधली के खिलाफ है, और जहां सभी राजनीतिक पार्टियों को निष्पक्ष तौर पर चुनाव लड़ने के एक जैसे मौके नहीं दिए गए। हालांकि, विपक्षी गठबंधन के पास संसद में इमरान की नियुक्ति को चुनौती देने जितनी संख्या होना मुश्किल है। पीएमएल-एन ने पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन में कुछ और छोटी राष्ट्रवादी और धार्मिक पार्टियां हैं। इस गठबंधन को ऑल पार्टी कॉन्फ्रेंस नाम दिया गया है।

जिम्बाब्वे चुनाव में मनांगाग्वा विजयी, विपक्ष ने लगाया धांधली का आरोप

हरारे। जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा ने देश के ऐतिहासिक चुनावों में मामूली अंतर से जीत दर्ज की है। आज आये चुनाव परिणाम के बाद धांधली के आरोप लगने की आशंका के बीच संभावित प्रदर्शनों को रोकने के लिए सुरक्षाबल सड़कों पर गश्त लगा रहे हैं। मनांगाग्वा पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट मुगाबे के सहयोगी रहे हैं। जिम्बाब्वे चुनाव आयोग ने बताया कि मनांगाग्वा ने विपक्षी पार्टी एमडीसी के नेल्सन चमिसा के 44.3 फीसदी मतों के मुकाबले 50.8 फीसदी मतों से जीत दर्ज की। आयोग की अध्यक्ष प्रिसिला चिगुम्बा ने कहा कि जेएएनयू-पीएफ पार्टी के मनांगाग्वा एमर्सन दाम्बुदजो को जिम्बाब्वे गणतंत्र का निर्वाचित राष्ट्रपति घोषित किया जाता है मनांगाग्वा बेहद मामूली अंतर से विजयी हुए हैं क्योंकि जीत दर्ज करने के लिए 50 फीसदी से अधिक वोटों की जरुरत होती है। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि वह चुनाव जीतकर खुश है तथा उन्होंने इसे देश के लिए एक ''नई शुरुआत'' बताया। पिछले साल मुगाबे के पद से हटने के बाद यह देश का पहला चुनाव था। सुरक्षाबलों ने बुधवार को चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन कर रहे एमडीसी समर्थकों पर गोलियां चलाई जिसमें छह लोग मारे गए। सेना और पुलिस ने चुनाव नतीजों के मद्देनजर मध्य हरारे से लोगों को हटा दिया था। चुनाव परिणाम की आधिकारिक घोषणा के बाद एमडीसी प्रवक्ता मोर्गन कोमिची ने मतगणना को ''फर्जी'' बताया। मनांगाग्वा को विजेता घोषित करने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी नतीजों को खारिज करती है। उन्होंने कहा, ''हम इस मामले को अदालत में लेकर जाएंगे।''

रंग लाई मोदी-ट्रंप की दोस्ती, एनएसजी पर भारत ने चीन को दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली।

चीन शुरू से ही भारत की परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) में सदस्यता को लेकर अड़गा डालता आया है। वहीं अब भारत को इसकी जरूरत भी नहीं है। दरअसल अमेरिका ने हाल ही में पिछले हफ्ते भारत को विशेष रणनीतिक कारोबारी साझेदार देश (एसटीए-1) का दर्जा दिया है। एसटीए-1 का दर्जा मिलने के बाद अब भारत एनएसजी का सदस्य बने बिना ही अमेरिका से संवेदनशील हथियार व उच्च तकनीकी हासिल कर सकता है। हालांकि विदेश मत्रालय के अधिकारियों की तरफ से कहा गया है कि एनएसजी में शामिल होने के लिए भारत की ओर से कोशिश जारी रहेगी। अधिकारियों की तरफ से कहा गया कि अमेरिका एनएसजी का सबसे अहम सदस्य है और संवदेनशील तकनीकी के अंतर्राष्ट्रीय कारोबार की निगरानी का सबसे बड़ा समर्थक देश भी है, ऐसे में उसकी तरफ से भारत को एसटीए-1 दर्जा मिलने से एनएसजी की सदस्यता का दावा करने में आसानी होगी। उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से एनएसजी का सदस्य बनने की दावेदारी पेश कर रहा है लेकिन हर बार चीन ने ही इसमें रोड़ा अटकाया। जबकि एनएसजी में शामिल 48 में से अन्य सभी सदस्य भारत की दावेदारी के पक्ष में हैं। दरअसल चीन चाहता है कि भारत के साथ पाकिस्तान भी एनएसजी में शामिल हो लेकिन अन्य देशों के सदस्य ये नहीं चाहते हैं।

पुलिस-एएमसी ने २४ घंटे की समयसीमा दी

सारंगपुर से बापूनगर तक के अतिक्रमणों को हटाया जाएगा

अहमदाबाद । शहर में अवैध अतिक्रमणों के कारण और अंधाधुंध वाहन पार्किंग के कारण ट्राफिक की समस्या बढ़ गई है । हाईकोर्ट द्वारा फटकार लगाने के बाद शहर पुलिस और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सक्रिय हो गया है और अवैध पार्क किए गए वाहनों को डीटेइन करना और अतिक्रमणों को हटाने का अभियान शुरू किया गया है, शुक्रवार को पुलिस प्रशासन और एएमसी प्रशासन ने संयुक्त रूप से सारंगपुर से बापूनगर तक के पूरे क्षेत्र में सार्वज निक मार्गों पर के अतिक्रमणों और निर्माणकार्यों को हटाने के मामले में स्थानीय दुकानदारों, व्यापारियों और फेरिया को २४ घंटे की समयसीमा दी गई है । एएमसी और पुलिस प्रशासन द्वारा लाउड स्पीकर के द्वारा स्थानीय निवासियों को अतिक्रमणों को हटाने की चेतावनी दी गई थी और अब शनिवार से डिमोलिशन ड्राइव शुरू करने की सूचना दी गई थी । जिसकी वजह से डर गये स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों और फेरिया अपने अतिक्रमणों को अपनी इच्छा से हटाते हुए दिखाई दिए । शुक्रवार सुबह में सारंगपुर से बापूनगर के १० किमी. के रोड पर पुलिस ने ट्राफिक समस्या हटाने के लिए अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए मेगा ऑपरेशन शुरू किया गया । पुलिस की चेतावनी के बाद कई लोग अपनी इच्छा से अतिक्रमणों को हटाना शुरू कर दिया। पुलिस ने मेगा ऑपरेशन के दौरान एक हजार से ज्यादा लोगों को अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस दी गई थी और २४ घंटे में अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी दी गई थी और यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो डिमोलिशन किया जाएगा ऐसी सूचना दी गई थी। इसके अलावा सारंगपुर से बापूनगर तक के रोड पर अवैध पार्क किए वाहनों को डीटेइन करने का काम शुरू किया गया था । मेगा ऑपरेशन में दो एडिशनल सीपी, तीन डीसीपी, छह एसीपी, २० पुलिस इंस्पेक्टर और २०० से ज्यादा पुलिस कर्मचारी उपस्थित हुए। इस मेगा ऑपरेशन में पुलिस ने १००० हजार से ज्यादा लोगों को नोटिस दी गई थी ।

शिक्षक ने छात्रा से किया दुष्कर्म, पुलिस ने गिरफ्तार किया

देवभूमि द्वारका। जिले के मीठापुर निवासी एक 16 वर्षीय छात्रा के साथ शिक्षक के दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आया है। पुलिस ने शिक्षक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई तेज की है। जानकारी के मुताबिक देवभूमि द्वारका जिले के मीठापुर गांव निवासी 16 वर्षीय किशोरी जिस स्कूल में पढ़ती है वहां के शिक्षक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। सुलेमान मुसा छटणी ने बातचीत और दोस्ती के जाल में फांसकर छात्रा से उसका मोबाइल नंबर लिया और बाद में मैसेज का आदान प्रदान करने लगा। जिसके बाद शिक्षक ने किसी प्रकार किशोरी को मनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं उसने अश्लील तस्वीरें और वीडियो बनाए।

मूंगफली खरीद में धांधली को रफादफा करने का प्रयास कर रही सरकार : कांग्रेस

राजकोट। गुजरात विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी ने आरोप लगाया है कि समर्थन मूल्य पर मूंगफली खरीद में धांधली में सत्या को छिपाने और भ्रष्टाचारियों को बचाने का भाजपा सरकार प्रयास कर रही है।

राजकोट के पेढला गांव में मोटी धणेज सेवा सहकारी समिति के जरिए संग्रहित मूंगफली में बड़े पैमाने पर मिट्टी और ढेला मिलने की घटना को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्ष के नेता परेश धानाणी ने हाईकोर्ट के न्यायधीश की निगरानी में पूरे मामले की जांच कराने के लिए मु यमंत्री विजय रूपाणी को पत्र लिखकर मांग की है। साथ ही चेतावनी भी दी है कि मांग स्वीकार नहीं करने पर धरना-उपवास आंदोलन किया जाएगा। इसी के साथ परेश धानाणी ने जेतपुर के पेढला में कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों के साथ उपवास आंदोलन का आगाज कर दिया। परेश धानाणी 4 अगस्त को गोंडल के उमराला रोड स्थित रामराज्य गोदाम पर मूंगफली खरीद धांधली की हाईकोर्ट के सीटिंग जज से जांच कराने की मांग के साथ प्रतीक उपवास-धरना करेंगे।

परेश धानाणी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सत्य को छिपाने और भ्रष्टाचारियों को बचाने का प्रयास कर रही है। गांधीधाम, गोंडल, राजकोट यार्ड, जामनगर के हापा और राजकोट शापर के गोदामों में आग लगने की घटनाएं एक समान थीं और यही संदेह पैदा कर रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि गोदामों में आग लगने की घटनाएं घटने के बाद सरकार ने गोदाम पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की जरूरत को नजरअंदाज क्यों किया।

पार्किंग सुविधा विहीन कॉमर्शियल कॉप्लेक्स के खिलाफ कार्यवाही हो: कांग्रेस

अहमदाबाद। कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ में विकास के नाम पर अनुचित फैसले करने का राज्य की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए मांग की है कि पार्किंग सुविधा उपलब्ध नहीं करने और बी.यू.परमिशन के बाद गैरकानूनी निर्माण करनेवालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता हिमांशु पटेल ने यह भी मांग की है कि राज्य के महानगरों के साथ खासकर सभी यात्राधामों में पार्किंग-यातायात नियमन के लिए स्थायी अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि अक्षम प्रशासन से लोगों को लगातार भय और चिंता में रखनेवाली भाजपा सरकार को गुजरात हाईकोर्ट ने पार्किंग, यातायात, टूटी सड़कें और गड्ढ़ों के बारे में जागृत किया है, जो स्वागतयोग्य है। अहमदाबाद समेत अन्य महानगरों में पार्किंग के लिए नोटिस जारी करने के साथ ही दंडनीय कार्यवाही की जा रही है। जिसमें प्रत्येक महानगरों में कॉमर्शियल कॉ प्लेक्स के निर्माण की मंजूरी लेते समय पार्किंग बताया जाता है, लेकिन ज यादातर ऐसे कॉ प्लेक्सों में बी.यू. परमिशन मिलने के बाद भाजपा के सत्ताधीशों से सांठगांठ पार्किंग के बताई गई जगह पर गैरकानूनी निर्माण कर तगड़ी कमाई कर ली जाती है।

शहर में अवैध अतिक्रमणों के कारण और अंधाधुंध वाहन पार्किंग के कारण ट्राफिक की समस्या बढ़ गई है । हाईकोर्ट द्वारा फटकार लगाने के बाद शहर पुलिस और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सक्रिय हो गया है और अवैध पार्क किए गए वाहनों को डीटेइन करना और अतिक्रमणों को हटाने का अभियान शुरू किया गया है ।

पेट्रोल टैंकर में लगी आग में ड्राइवर की जलकर मौत

कच्छ। जिले के सामखियाली चेकपोस्ट के निकट नेशनल हाईवे पर पेट्रोल टैंकर में अचानक भड़की आग में ड्राइवर की जलकर मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक युग इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का पेट्रोल टैंकर देर रात कच्छ जिले के सामखियाली चेकपोस्ट के निकट से गुजर रहा था। उस वक्त टैंकर में अचानक आग भड़क उठी। टैंकर चालक कुछ समझे इससे पहले आग ने पूरे टैंकर को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया और स्टेयरिंग पर बैठा टैंकर चालक भी धू धू कर जलने लगा।

स्कूल के शिक्षक ने ट्यूशन क्लास में किया छात्रा से दुष्कर्म

वडोदरा। शहर की वि यात एलेि बक विद्यालय के टीचर ने अपने निजी ट्यूशन क्लास नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म किया। शिक्षक ने छात्रा को उत्तीर्ण करवाकर डॉक्टर बनाने लालच देकर छात्रा को अपनी हवस का शिकार बनाया और उसका वीडियो भी उतार लिया। वीडियो के आधार पर पिछले एक साल से शिक्षक छात्रा का यौन शोषण कर रहा था। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार वडोदरा के मांजलपुर क्षेत्र में रहनेवाली कक्षा 12 सायंस में एक्स स्टूडेंट के तौर पर अध्ययन करनेवाली नाबालिग छात्रा शहर के वि यात एलेि बक विद्यालय में पिछले 9 साल से बायोलोजी विषय पढ़ाते शिक्षक विनु कटारिया के जय क्लासिस में जाती थी। वडोदरा के अटलादरा में विनु कटारिया निजी ट्यूशन क्लास चलाता है। जहां क्लास शुरू होने से पहले विनु कटारिया छात्रा को अपने कमरे में बुला लेता और उसके साथ दुष्कर्म करता था। स्कूल और ट्यूशन के दौरान शिक्षक ने छात्रा को कक्षा 12 का पर्चा लीक करवाकर उत्तीर्ण कराने और डॉक्टर बना देने की लालच देकर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। उसने अश्लील वीडियो भी बनाया और करीब एक साल तक छात्रा का यौन शोषण करता रहा। शिक्षक से तंग आकर छात्रा ने आज वडोदरा के मांजलपुर पुलिस थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत कर दी। छात्रा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए शिक्षक विनु कटारिया को उसके घर से गिर तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। वडोदरा के कलाली क्षेत्र के गजानुंद डुप्लेक्स में परिवार के साथ रहनेवाले विनु कटारिया ने अहमदाबाद की सेंट जेवियर्स कॉलेज में पुरुष में नपुंसकता पर डोक्टरेट किया है। इसके अलावा अहमदाबाद की नूतन हाईस्कूल से शिक्षा प्राप्त करने के बाद सेंट जेवियर्स कॉलेज में बीएससी और गुजरात यूनिवर्सिटी में झु-लोजी की है।

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर यात्रियों की संख्या में 27.1 प्रतिशत का इजाफा

अहमदाबाद। शहर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की सं या में लगातार इजाफा हो रहा है। जून 2018 में अहमदाबाद हवाई अड्डे से 699360 घरेलू यात्री दर्ज हुए। जून 2017 के मुकाबले जून 2018 में घरेलू यात्रियों की सं या में 27.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जून 2018 के आंकडों के मुताबिक अहमदाबाद से प्रति दिन 23312 घरेलू यात्रियों ने आवागमन किया। वहीं जून 2018 में अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की सं या 155692 दर्ज हुई। जून 2017 में 1.32 लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्री दर्ज हुए थे, जबकि जून 2018 में यह आंकड़ा 1.55 लाख से अधिक हो गया। इस प्रकार एक साल में अहमदाबाद से अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की सं या में 14.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर जून 2018 में 1117 अंतर्राष्ट्रीय विमान और 5210 घरेलू विमानों का आवागमन दर्ज हुआ। जो पिछले साल के मुकाबरि 3.7 प्रतिशत ज्यादा है। अप्रैल 2017 से मार्च 2018 में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर 91.74 लाख यात्रियों ने आवागमन किया। देश में सबसे अधिक यात्रियों के आवागमन वाले हवाई अड्डों में अहमदाबाद आठवें क्रम पर है।

आमरण अनशन से पहले हार्दिक पटेल करेंगे विजय संकल्प यात्रा

अहमदाबाद। आगामी 25 अगस्त से आमरण अनशन का ऐलान कर चुके पास नेता हार्दिक पटेल ने उससे पहले विजय संकल्प यात्रा करेंगे। माना जा रहा है कि हार्दिक पटेल अनशन से पहले तसल्ली कर लेना चाहते हैं कि आगे उन्हें सफलता मिलेगी या नहीं। गौरतलब है हार्दिक पटेल आगामी 25 अगस्त से पूर्वी अहमदाबाद के निकोल में आमरण अनशन पर बैठने वाले हैं और उनके उपवास को कितना समर्थन मिलेगा, इसके लिए उन्होंने विजय संकल्प यात्रा का आयोजन किया है।

हार्दिक पटेल के आंदोलन को सबसे अधिक समर्थन सौराष्ट्र क्षेत्र से मिलता रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए

हार्दिक पटेल ने अनशन से पहले सौराष्ट्र से विजय संकल्प यात्रा निकालने का फैसला किया है। तीन साल पहले जोरदार तरीके से प्रारंभ हुआ पाटीदार आरक्षण आंदोलन बिखरने लगा है। आरक्षण के मुद्दे को लेकर जो आंदोलन से जुड़े थे, उनके खिलाफ पुलिस केस होने पर आंदोलन को समर्थन धीरे धीरे कम होने लगा है। यही वजह है कि तीन साल पाटीदार आरक्षण आंदोलन को ब्यूगल फूंकने वाले हार्दिक पटेल अब विभिन्न मुद्दों पर भी आवाज बुलंद करने लगे हैं, ताकि लोगों में उनकी पैठ बनी रही है। शराबबंदी, निजी स्कूलों की मनमानी फीस और अब किसानों के कर्ज माफी को भी हार्दिक पटेल अपने आंदोलन से जोड़ लिया है। जिससे किसानों का उन्हें भरपूर समर्थन मिल सके। इसलिए हार्दिक पटेल पाटीदार समाज को आरक्षण और किसानों का कर्ज माफ करने की मांग के साथ विजय संकल्प यात्रा निकालेंगे। सौराष्ट्र के मोटा दलवा गांव से प्रारंभ होनेवाली विजय संकल्प यात्रा सौराष्ट्र के अलग अलग गांवों में भ्रमण करेगी। सौराष्ट्र के जेतपुर, उपलेटा और धोराजी से होते हुए विजय संकल्प यात्रा का समापन द्वारका में होगा। विजय संकल्प यात्रा में बड़ी सं या में युवकों के शामिल होने की हार्दिक पटेल को उ मीद है।

गरवी गुर्जरी-२०१८ अंतर्राष्ट्रीय बायर-सेलर मीट का भव्य प्रारंभ

अहमदाबाद । गुजरात राज्य के हेन्डलूम और हेन्डिक्राफ्ट सेक्टर को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य के साथ गुजरात स्टेट हेन्डलूम एंड हेन्डिक्राफ्ट डेवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा शुक्रवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में गरवी गुर्जरी-२०१८ अंतर्राष्ट्रीय बायर-सेलर मीट का भव्य प्रारंभ किया गया । १०० से ज्यादा इन्टरनैशनल खरीददारों और भारत के विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करते २०० खरीददार यह चार दिवसीय मेगा प्रमोशनल इवेन्ट में हिस्सा ले रहे है, जिसका मुख्य उद्देश्य गुजरात के कारीगरों और खरीददारों के बीच बी-टू-बी मीटिंग करवाना है । यह अंतर्राष्ट्रीय बायर-सेलर मीट का उद्घाटन करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री रुपाणी ने बताया है कि, परंपरागत हस्तकला-हथकरघा बुनकरों के लिए गुजरात सरकार आधुनिक सुविधाओं के निर्माण लिए प्रतिबद्ध है । गुजरात की हस्तकला -हथकरघा कारीगरी के ग्रामीण कुशल कारीगरों को स्वनिर्भरता के अवसर देने के लिए सरकार ने ४५० करोड़ कुटीर और ग्रामोद्योग के तहत बजट आवंटित कराया गया है ।यह बायर सेलर मीट राज्य के छोटे -ग्रामीण कारीगरों के लिए एक उत्तम मंच बनेगा और उनकी चीजवस्तुओं को वैश्विक खरीददारों को मिल जाएगा । यह मीट गुजरात के विक्रेताओं और इन्टरनैशनल खरीददारों दोनों के लिए विन-विन सीच्युएशन बनेगा । उन्होंने बताया है कि, बी-टू-बी मीटिंग की वजह से नेटवर्किंग का व्यापक लाभ और मौके ग्रामीण कारीगरों को अपने क्षेत्र में ही प्राप्त होगा । यह परंपरागत और व्यवसाय का धरोहर अब की युवापीढ़ी बरकरार रखे ।

गुजरात में अगले 5 से 7 दिनों तक बारिश की कोई गुंजाईश नहीं

अहमदाबाद। मौसम के प्रारंभ दक्षणि गुजरात और सौराष्ट्र में मूशलाधार बारिश के बाद राज्य में बारिश ने विराम ले लिया है। पिछले कई दिनों से राज्य में बारिश नहीं होने से लोगों में खासकर किसानों में चिंता बढ़ गई है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले 5 से 7 दिनों के भीतर बारिश की संभावना से इंकार कर दिया है। मध्य गुजरात और उत्तरी गुजरात में तो बारिश ने ठेंगा दिखा दिया है। जिसकी वजह से मध्य और उत्तरी गुजरात में सूखा की आशंका व्यक्त की जा रही है। वहीं कच्छ जिला भी बारिश से अछूता है। ऐसे में सबसे अधिक चिंता किसानों में अपनी फसल को लेकर है। मेहसाणा, पाटण और कच्छ जिले के किसानों की हालत सबसे अधिक खराब है और वे बेसब्री से बारिश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। क्योंकि बारिश नहीं हुई तो उनकी फसल चौपट हो जाएगी। राज्य के ज्यादातर किसानों ने खेतों में बुवाई तो कर दी है, लेकिन पानी के अभाव में फसल निष्फल होने की चिंता किसानों को सता रही है। किसानों का कहना है कि बारिश नहीं होने से निष्फल होने की नौबत आ गई है। जिसकी वजह से उन्हें प्रति बीघा रु.4000 से भी ज्यादा का आर्थिक नुकसान हो सकता है। उत्तरी गुजरात में अब तक मौसम की औसत 28 प्रतिशत बारिश हुई है और इस कारण किसानों में अपनी फसल को लेकर चिंता है। किसानों ने बुवाई के लिए मजदूर और बीज समेत प्रति बीघा रु. 5000 खर्च किए हैं। मेहसाणा जिले के सतलासणा क्षेत्र के किसानों ने कहा कि यदि चार दिन में बारिश नहीं होती है तो उनके बीज नष्ट हो जाएंगे। जिससे आर्थिक नुकसान के साथ मेहनत भी बेकार जाएगी। उत्तरी गुजरात के साबरकांठा जिले के जलाशयों में नई जलराशि नहीं आने से ज्यादातर बांध की पेंदी दिखाई दे रही है। दूसरी ओर बारिश में विलंब ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। ज्यादातर किसानों ने बुवाई शुरू कर दी थी, लेकिन बारिश के रूठने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com